उ0 प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) राज्य सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुधारना और स्वावलंबन को बढ़ावा देना है। यह मिशन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM) का हिस्सा है, जो भारत सरकार द्वारा देशभर में लागू किया गया है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीब और पिछड़े ग्रामीण इलाकों में रहने वाली महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और उन्हें स्व-रोज़गार के अवसर प्रदान करना है। इसे खासतौर पर महिलाओं की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) का उद्देश्य:

1. महिलाओं का सशक्तिकरण:

इस मिशन का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। महिलाओं को स्व-रोज़गार के लिए प्रेरित किया जाता है और उन्हें कौशल विकास (Skill Development) की दिशा में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

2. स्वावलंबी महिलाओं का निर्माण:

मिशन का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के लिए स्व-रोज़गार के अवसर प्रदान करना है, ताकि वे स्वावलंबी बन सकें और वित्तीय रूप से सशक्त हो सकें।

3. महिला समूहों का निर्माण:

योजना के तहत महिलाओं के स्व-सहायता समूह (Self-Help Groups, SHGs) बनाए जाते हैं। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं एक दूसरे की सहायता करती हैं और अपनी सामूहिक आय बढ़ाने के लिए मिलकर काम करती हैं।

4. गरीबी उन्मूलन:

इस मिशन का एक और उद्देश्य गरीबी उन्मूलन है। इसके तहत नम्र या मध्यम आय वाले परिवारों को सहायता दी जाती है, ताकि वे अपने जीवन स्तर को सुधार सकें और आर्थिक रूप से स्थिर हो सकें।

5. कौशल विकास और प्रशिक्षण:

महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं, जैसे सिलाई-बुनाई, हस्तशिल्प, कृषि आधारित गतिविधियाँ, ब्यूटी पार्लर, बेकरी, और अन्य छोटे कारोबारों के लिए। इस प्रशिक्षण से महिलाएं व्यवसाय स्थापित करने और रोजगार के अवसर उत्पन्न करने में सक्षम हो जाती हैं।

UPSRLM के प्रमुख घटक:

1. स्व-सहायता समूह (SHGs):

UPSRLM महिलाओं के लिए स्व-सहायता समूह (Self-Help Groups, SHGs) बनाता है। इन समूहों के माध्यम से महिलाएं एक दूसरे से साझा करती हैं और अपनी सामूहिक आय बढ़ाने के लिए विभिन्न आर्थिक गतिविधियाँ करती हैं। इन समूहों को संचालन और प्रबंधन के बारे में भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

2. कौशल विकास और प्रशिक्षण:

मिशन के तहत महिलाओं को कौशल विकास के प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे स्व-रोज़गार कर सकें। प्रशिक्षण के बाद महिलाएं विभिन्न स्व-रोज़गार योजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त करती हैं। इसमें खादी और हस्तशिल्प, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, कृषि आधारित व्यवसाय, और अन्य क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाता है।

3. वित्तीय समावेशन:

UPSRLM वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देता है। इसके तहत महिलाएं बैंकिंग सेवाओं से जुड़ी फाइनेंशियल लिटरेसी प्राप्त करती हैं और बैंक खाते खोलने में सक्षम होती हैं। इसके अलावा, वे माइक्रोफाइनेंस योजनाओं के तहत मिनी लोन प्राप्त कर सकती हैं।

4. कृषि आधारित व्यवसाय:

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को कृषि आधारित व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाता है, जैसे कृषि उत्पादों की बिक्री, पशुपालन, मधुमक्खी पालन, सप्लाई चेन और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण के बारे में।

5. आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वतंत्रता:

इस मिशन के तहत महिलाओं को स्व-निर्भर बनाने के लिए उन्हें विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता (Micro Credit, Loans) और प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे अपने छोटे व्यवसाय शुरू कर सकें।

UPSRLM योजना के लाभ:

1. महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण:

इस योजना के माध्यम से महिलाएं स्वावलंबी बनती हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं और अपने परिवारों को बेहतर जीवनशैली प्रदान करती हैं।

2. गरीबों के लिए रोज़गार के अवसर:

ग्रामीण महिलाओं को नए रोज़गार के अवसर मिलते हैं, जिससे वे अपनी आय बढ़ा सकती हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं सामूहिक रूप से व्यापार और उद्यमिता में कदम रखती हैं।

3. कौशल विकास:

महिलाओं को कौशल विकास के प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें व्यावसायिक कौशल प्राप्त होता है, जिससे वे किसी भी उद्योग में स्वयं रोजगार कर सकती हैं।

4. स्वस्थ और सशक्त समुदाय:

जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, तो उनका स्वास्थ्य और समाज में उनका योगदान बेहतर होता है। इससे समुदाय में सकारात्मक बदलाव आता है।

5. सामूहिक प्रयास से सफलता:

स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं साझेदारी और सामूहिक प्रयास से अपने व्यवसाय को बढ़ावा देती हैं। यह एक प्रकार का समुदाय आधारित विकास मॉडल है।

निष्कर्ष:

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) एक महत्वपूर्ण योजना है, जो ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण और स्वावलंबन के अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से महिलाओं को कौशल विकास और स्व-रोज़गार के अवसर मिलते हैं, जिससे वे अपनी जीवनशैली को सुधार सकती हैं और अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार ला सकती हैं। UPSRLM न केवल महिलाओं को सशक्त बनाता है, बल्कि यह गरीबी उन्मूलन, वित्तीय समावेशन और ग्रामीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।